

SMT. RAJ KUMARI

Smt. Raj Kumari, popular as Kisan Chachi or Cycle Chachi is a famous social worker. She is a village resident of Anantpur, Saraiya in Muzaffarpur District.

2. Born on August 21, 1946, Smt. Raj Kumari started her education in a later age and passed her Matriculation in 1980. She was married in a marginal farmer family which used to grow tobacco. She bewared her husband and villagers about the cancerous effect of tobacco on people consuming them and inspired them to take up litchi, banana and papaya farming. At the time of economic and social troubles, she helped her family and started doing farming in 1980s, in spite of lots of resistance from her family and villagers.

3. In 1996, Smt. Raj Kumari worked for the health and education, child marriage abolishment and widow marriage of women and children. She used to ride bicycle 40-50 km everyday to create awareness about SHG group among village and provide for training new techniques in agriculture and food processing in every village of her locality. From 1997-2002, under the Swarna Jayanti Gram Swarojgar Yojna, she gathered 360 women farmers belonging to Schedule Caste and Schedule Tribe to form a group of 36 Self Help Group (SHG). She took several trainings from scientists of Krishi Vigyan Kendra, Saraiya in Muzaffarpur District. In 1996, she was handpicked by Home Scientist, KVK, Saraiya and sent to Rajendra Agricultural University, Pusa to brush up her knowledge. Under the supervision of expert, she started generating high yielding variety seed and Litchi and Rose product. In addition to cultivating Elephant foot yam, she started to prepare pickle and other dishes from it and choose pickle-making as business in 2002. She became a popular entrepreneur in pickle making by the brand name of "KISAN CHACHI" in 2002. She runs the Anandpur Jyoti Centre along with her eldest son, Amrendra. They not only grow crops but also make pickles, banana wafers, jams, and so on, which are packed and sold in the market. The idea of growing food has led them to explore other areas of business so that the whole trade keeps growing. Today she is making 22 -23 type of pickle and murrabba which are marketed and sold at several SARAS Kisan Melas in Delhi, Gujarat, Kolkata, and Dhanbad creating an example of women empowerment and entrepneurship among women all over India.

4. Smt. Raj Kumari was appreciated by Dr. Rajendra Prasad Agriculture University, PUSA, Samastipur for her efforts in Papaya farming and kitchen gardening in 2002. Her work was also appreciated for good production of Elephant foot yam, papaya, cauliflower, food processing and pickle making at National Horticulture Board (2006), Sub-Division level (2005) and Block Level (2007) and Mandal Kisan Mela. Government of Bihar and ATMA, Muzaffarpur at Kisan Mela organized by Rashtriya Sam Vikas Yojna and Macromode Yojna, appreciated her work for good production of yam, banana, lime, chilli, garlic, papaya and food processed products in 2007. With all her efforts, she was the first women in Bihar to receive the prestigious award of "Kisan Shree" in 2007. Ministry of Information and Broadcasting recognized her excellent work in agriculture and food pickle making in 2008. Department of Agriculture, Government of Bihar has appreciated her work in organic farming. She was awarded at Delhi Haat organized by CAPART, Government of India for her food processed products in 2008 and 2009. She got Bihari Ho To Aisa Award by ETV. Ajit Kumar Singh Memorial Trust and Swarna India (Bihar Vikas Ratna Award) commemorated her excellent work in agriculture in 2009 and 2013 respectively. She received Women's Achievement Award by Aadhi Abadi at New Delhi in 2014. She received ABHINAY KISAN Award by Dr. Rajendra Prasad Agriculture University, PUSA, Samastipur in 2015 and received Zila Mahila Samman by Ministry of Women and Child Welfare, Government of India. She got Pride of Nation Award from Modi University, Rajasthan in 2018 for cleanliness and social work.

पद्म श्री

श्रीमती राज कुमारी



'किसान चाची' या 'साइकिल चाची' के नाम से लोकप्रिय श्रीमती राज कुमारी प्रसिद्ध समाज सेवी हैं। आप अनन्तपुर सरैया, जिला मुजफ्फरपुर की रहने वाली है।

2. आपका जन्म 21 अगस्त, 1946 में हुआ था। आपने बड़ी उम्र में शिक्षा ग्रहण करना शुरू किया और वर्ष 1980 में 10 वीं की परीक्षा पास की थी। आपका विवाह एक ऐसे आम किसान परिवार में हुआ था जो तम्बाकू की खेती करता था। आपने अपने पति और अपने ग्रामवासियों को इस बारे में जागरूक किया था कि तम्बाकू का सेवन करने वाले लोगों को कैंसर का खतरा हो सकता है। आपने उन्हें लीची, केले और पपीते की खेती करने के लिए प्रेरित किया। आर्थिक और सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में आपने अपने परिवार की सहायता की और आपने अपने परिवार तथा गांव वालों के भारी विरोध के बावजूद 1980 के दशक में खेती करना शुरू कर दिया।

3. वर्ष 1996 में आपने स्वाथ्य और शिक्षा, बाल विवाह उन्मूलन तथा विधवा विवाह एवं बच्चों के कल्याण के लिए कार्य किया था। आप अपने क्षेत्र के हर गांव में ग्राम निवासियों को एसएसजी ग्रुप के बारे में जागरूक बनाने तथा खेती करने तथा खाद्य संसाधन की नई-नई तकनीकों का प्रशिक्षण देने के लिए हर दिन 40 से 50 किलोमीटर तक साइकिल से सफर करती हैं। वर्ष 1997 से वर्ष 2002 तक आपने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की 360 महिला किसानों को एकत्र करके 36 स्वयंसेवी ग्रुपों (एसएसजी) का गठन किया। आपने जिला मुजफ्फपुर में कृषि विज्ञान केन्द्र, सरैया के वैज्ञानिकों से कई तरह का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वर्ष 1996 में गृह वैज्ञानिक श्री के.वी.के.सरैया ने आपके ज्ञानवर्धन के लिए आपको राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा भेजा था। विशेषज्ञ की देख-रेख में, आप अधिक उपज वाले बीज तैयार करने तथा लीची और गुलाब के उत्पाद बनाने लगी। ज़िमीकन्द की खेती करने के अलावा, आपने इससे अचार तैयार करने तथा अन्य व्यंजन बनाना शुरू कर दिया था। वर्ष 2002 में आपने अचार बनाने का व्यापार शुरू कर दिया था। आप 2002 में "किसान चाची" ब्रांड के तहत अचार बनाने के क्षेत्र में लोक प्रिय उद्यमी बन गईं। आप अपने सबसे बड़े सुपुत्र श्री अमरेन्द्र के साथ मिलकर आनंदपुर केन्द्र चलाती है। आप केवल खेती ही नहीं करती है बल्कि अचार, बनाना वैफर्स, जैम तथा ऐसी ही अन्य उत्पाद भी बनाती है जिन्हें पैक करके बाजार में बेचा जाता है। खाद्य पदार्थ की खेती करने के विचार ने आपको व्यापार के अन्य क्षेत्रों में हाथ आजमानों के लिए प्रेरित किया ताकि समूचा व्यापार निरंतर बढ़ता रहे। इस समय आप 22 से 23 प्रकार के अचार और मुरब्बे बनाती है जिनकी बिक्री दिल्ली, गुजरात, कोलकाता तथा धनबाद के सरस किसान मेलों में होती है और इस प्रकार आप पूरे भारत की महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण और उद्यमशीलता का उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।

4. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर ने पपीते की खेती करने तथा किचन गार्डनिंग के क्षेत्र में आपके प्रयासों के लिए वर्ष 2002 में आपकी सराहना की थी। ज़िमीकंद, पपीता तथा फूल गोभी, खाद्य प्रसंस्करण और अचार बनाने जैसे अच्छे उत्पादन के लिए राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (2006), उपमंडल स्तर (2005) तथा ब्लॉक स्तर (2007) और मंडल किसान मेले में भी आपके कार्य की सराहना हुई थी। वर्ष 2007 में राष्ट्रीय सम विकास योजना तथा मैक्रोमोड योजना द्वारा आयोजित किसान मेले में बिहार सरकार और एटीएमए, मुजफ्फपुर द्वारा ज़िमीकंद, केले, नीबू, मिर्ची, लहसुन, पपीता और अच्छे प्रसंस्कति उत्पादों के लिए भी आपके कार्य की सराहना हुई थी। यह आपके प्रयासों का ही परिणाम है कि वर्ष 2007 में "किसान श्री" नामक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने वाली बिहार की प्रथम महिला बनने का गौरव आपको प्राप्त हुआ। सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय ने कृषि और अचार बनाने के क्षेत्र में अचार तैयार करने में आपके उत्कृष्ट कार्य को मान्यता प्रदान की। कृषि विभाग, बिहार सरकार ने ऑरगैनिक खेती में आपके कार्य की सराहना की है। सीएपीएआरटी, भारत सरकार द्वारा आयोजित दिल्ली हाट में आपको क्रमशः वर्ष 2008 और 2009 में आपके प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए पुरस्कृत किया गया था। ईटीवी, बिहार आई नेक्स्ट तथा आम्रपाली ग्रुप ने वर्ष 2012 में आपको "बिहारी हो तो ऐसा" पुरस्कार प्रदान किया था। वर्ष 2009 और 2013 में अजीत कुमार सिहं मेमोरियल ट्रस्ट तथा स्वर्ण इंडिया (बिहार विकास रत्न पुरस्कार) द्वारा कृषि के क्षेत्र में आप के उत्कृष्ट कार्य की सहराना की गई। आपको वर्ष 2014 में नई दिल्ली में आधी आबादी द्वारा महिला उपलब्धि पुरस्कार से नवाजा गया था। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर से वर्ष 2015 में आपको अभिनव किसान पुरस्कार प्राप्त हुआ और आपको महिला तथा बाल कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से महिला सम्मान नामक पुरस्कार प्राप्त हुआ। आपको वर्ष 2016 में उत्कृष्ट समाजिक कार्य करने के लिए महानायक अमिताभ बच्चन से पुरस्कार स्वरूप 5 लाख रु. की धन राशि प्राप्त हुई थी। आपको स्वच्छता तथा समाजिक कार्य के लिए वर्ष 2018 में मोदी विश्वविद्यालय से राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार प्राप्त हुआ था।